CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 25-01-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMFP User: cci Time: 01-24-2026 20:10 Color:

नवभारत टाइम्स NBT
Lucknow Times masalamix
नवभारत टाइम्स, कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रकाशित), रविवार, 25 जनवरी 2026
I ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

# वॉर फिल्मों को लेकर सिनेमा वालों का जोश हाई !

**बॉलिवुड में वॉर फिल्मों का इतिहास पुराना है। 1962, 1971, 1999 की जंग और सर्जिकल स्ट्राइक पर फिल्में बनाने के बाद अब निर्माता ऑपरेशन सिंदूर समेत दूसरी अनकही कहानियों को पर्दे पर लाने में जुटे हैं:**

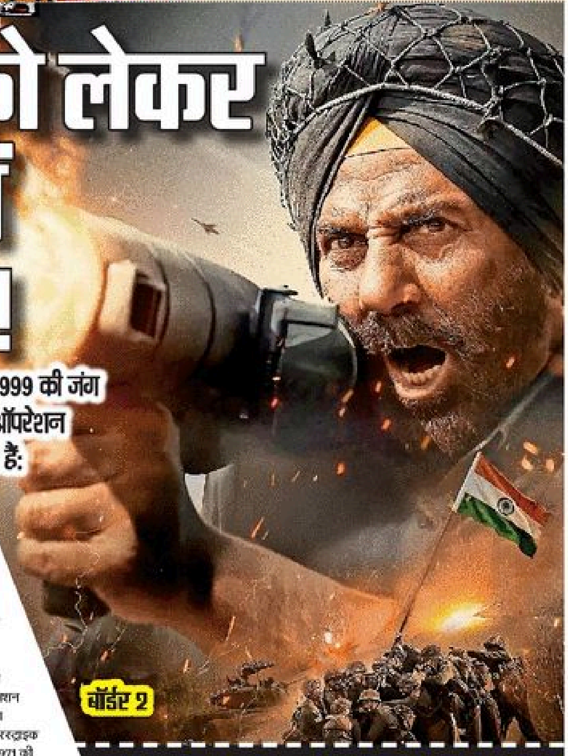


प्रशांत जैन

भारत में देशभक्ति फिल्मों का इतिहास काफी पुराना है। फिर चाहे बात हकीकत और बॉर्डर जैसी बहुचर्चित फिल्मों की करें या फिर कोरोना से पहले सुपरहिट हुई उड़ी द सर्जिकल स्ट्राइक की। वर्दी पहनकर देश के लिए लोहा लेने वाले जांबाजों को बड़े पर्दे पर देखना हमेशा से दर्शकों को लुभाता रहा है। हालांकि बीच के सालों में यह ट्रेंड कमजोर पड़ गया था। लेकिन साल 2016 में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकी कैंपों को नष्ट करने वाली सर्जिकल स्ट्राइक पर बनी फिल्म उड़ी द सर्जिकल स्ट्राइक की जोरदार सफलता ने एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी के इस फार्मूले पर मुहर लगा दी। खासकर कोविड के बाद वर्दी वाले हीरोज की कहानी को बड़े पर्दे पर उतारने के ट्रेंड ने एक बार फिर जोर पकड़ा।

## स्ट्राइक पर कई फिल्में

बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसे अभियानों ने भी फिल्मवालों को सेना से जुड़ी रोमांचक कहानियां सिनेमा के पर्दे पर लाने का मौका दिया। बीते साल ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिल्मवालों ने इस विषय पर कई टाइटल रजिस्टर कराए, जिन पर आने वाले सालों में फिल्में और वेब सीरीज बनेंगी। बीते कुछ सालों में रिलीज हुई देशभक्ति फिल्मों की बात करें, तो 2024 में रिलीज हुई फाइटर और तेलुगू से हिंदी में डब हुई फिल्म मिशन वैलेंटाइन दोनों फिल्मों में ही इंडियन एयरफोर्स द्वारा पाकिस्तान में घुसकर अंजाम दी गई बालाकोट एयरस्ट्राइक को दिखाया गया। बॉलिवुड वालों ने सबसे ज्यादा 1971 की भारत-पाक जंग पर फिल्में बनाई हैं। पिप्पा, स्काई फोर्स और सैम बहादुर में 1971 की जंग को दिखाया गया। 120 बहादुर में 1962 की भारत-चीन जंग में भारतीय सेना के शौर्य को दिखाया गया।

**इस साल वॉर फिल्में**
- इक्कीस
- बॉर्डर 2
- बैटल ऑफ गलवान
- लव एंड वॉर
- फौजी

**पिछले सालों में आई वॉर फिल्में**
- पिप्पा
- सैम बहादुर
- फाइटर
- ऑपरेशन वैलेंटाइन
- 120 बहादुर
- स्काई फोर्स

# किताबों में नहीं, ज़िंदगी में ज़िंदा है संविधान

26 जनवरी को संविधान किताबों, भाषणों, परेड से निकलकर जमीन पर उतरता है। लखनऊ में कुछ लोग ऐसे हैं, जिनके लिए गणतंत्र दिवस छुट्टी नहीं, रोज निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। कोई सवाल पूछकर व्यवस्था को जवाबदेह बनाता है, कोई कानून समझाकर हक दिलाता है, कोई कक्षा में संविधान की आत्मा समझाता है तो कोई समाज के हाशिये पर खड़े लोगों के लिए उसे सुरक्षा कवच बनाता है। यही लोग संविधान को रोजमर्रा की जिंदगी में जीते हैं। पेश है मोहम्मद फाजिल की रिपोर्ट

## महिलाओं को जानकारी की ज्यादा ज़रूरत है

अलीगंज की समाजसेवी ओम सिंह ने बताया कि हम संविधान की बात करते हैं लेकिन आज भी एक बड़ा वर्ग संविधान में दिए गए अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानता नहीं है। मैंने कई महिलाओं की काउंसिलिंग की, जो काफी एजुकेटेड थीं लेकिन उनको संविधान में दिए गए अपने अधिकार तक पता नहीं थे। कुछ साल पहले एक केस आया था, जिसमें विवाहित महिला को पति प्रताड़ित करता था। वो महिला जब जॉब करती थी तो वहां जाकर उसका पति गलत हरकत करता था, जिससे उसको जॉब तक छोड़नी पड़ी। मैंने जब उससे कहा कि तुम्हें कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए तो उसने कहा दीदी आप मदद कर दें क्योंकि मुझे नहीं पता कि क्या करना है। यहां तक उसको महिला सुरक्षा के लिए बनाई गई हेल्पलाइन 1090 तक के बारे में जानकारी नहीं थी। ऐसे ही कई केस मेरे पास आते थे, जिन्हें कानूनी परामर्श से लेकर जागरूक करने का काम करती थी। यौन उत्पीड़न की शिकार 3 महिलाओं को वर्ष 2024 में कानूनी प्रक्रिया के बारे में बताकर न्याय दिलवाया। घरेलू हिंसा से पीड़ित लगभग 18 गरीब महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी। मैंने जितना काम किया है, उस हिसाब से मुझे लगता है कि बहुत सी महिलाओं को संविधान में दिए गए बेसिक अधिकारों की जानकारी तक नहीं है। इसी उद्देश्य के साथ मैंने महिला अधिकारों को लेकर कई सम्मेलन करवाए हैं।

## विधान परिषद में उठाया बेरोजगारी का मुद्दा

गोमतीनगर के राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता रोहित कश्यप के लिए संविधान सिर्फ किताब नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। वह कहते हैं कि 26 जनवरी याद दिलाता है कि आजादी के बाद हमें किस समाज की कल्पना करनी थी और हम उस दिशा में कहां तक पहुंचे हैं। परेड और झंडारोहण से आगे बढ़कर संविधान के प्रति हमारी निष्ठा ही गणतंत्र दिवस का असली अर्थ है। वह बताते हैं कि मेरे काम में अनुच्छेद-19 सबसे ज्यादा मायने रखता है। लिखने, बोलने और सवाल उठाने की आजादी ही लोकतंत्र की आत्मा है। इसी अधिकार का व्यावहारिक रूप आरटीआई है, जिसके जरिए भ्रष्टाचार, शिक्षा और निर्माण कार्य की गुणवत्ता जैसे मामलों में आम लोगों को जवाब मिल पाता है। हम लोग काफी समय से संविधान में पक्की नौकरी का अधिकार शामिल करने की मांग कर रहे हैं। 18 साल की उम्र में जिस तरह वोट देने का अधिकार मिल जाता है, वैसे ही एक उम्र के बाद सरकारी नौकरी का भी अधिकार मिलना चाहिए। इसी को लेकर हमने बेरोजगारी का मुद्दा उठाया था। इसे बाद में विधान परिषद में उठाया गया। इसमें बहस के बाद विधान परिषद में सरकार ने माना कि विकास दर घटी है और बेरोजगारी दर बढ़ी है।

CONTINUED ON ▸ 3

## कैंप लगाकर लोगों को करते जागरूक

कुर्सी रोड के एडवोकेट फैसल शेख बेकेटी, इटौंजा, बाराबंकी में लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं। वह बताते हैं कि उनकी टीम लीगल अवेयरनेस कैंप लगाती है, जहां पुलिस कानूनी कार्रवाई के दौरान व्यक्ति के अधिकार, रजिस्ट्री के दौरान होने वाली धोखाधड़ी, न्यायालय में चल रही कार्रवाई जैसे मुद्दों पर सलाह दी जाती है। उनके अनुसार, जमीन की रजिस्ट्री में सबसे ज्यादा धोखाधड़ी होती है। जानकारी के अभाव में कई बार किसान को एक बीघा जमीन के पैसे देकर दो से चार बीघा लिखवा लिया जाता है। ऐसे मामलों में संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार, खासतौर समानता का अधिकार और शोषण के विरुद्ध अधिकार, लोगों के लिए सुरक्षा कवच बनते हैं। फैसल कहते हैं कि अक्सर आम लोगों के अधिकारों का हनन पुलिसिया कार्रवाई में भी होता है। ऐसे में संविधान ही वह ढाल है, जो सुरक्षित रखती है। इसलिए जरूरी है कि संविधान को पढ़ें, समझें और उसका इस्तेमाल करें।

## भेजें तिरंगे वाली सेल्फी

सोशल मीडिया पर देशभक्ति गीतों की बयार चल रही है। हाथों में तिरंगे लेकर स्टूडेंट्स अपनी परफॉर्मेंस तैयार कर रहे तो प्राइवेट से लेकर सरकारी संस्थानों में जगमगाती झालरों संग झंडारोहण की तैयारियां हो चुकी हैं। अगर आप भी गणतंत्र दिवस के मौके पर तिरंगे के साथ सेल्फी ले रहे तो उसे हमें lucknowtimesnbt@gmail.com पूरे नाम व पते के साथ भेजें। साथ में कैप्शन लिखें- Republic Day

# तब मेरा विडियो लीक कर शोषण किया था: पैरिस हिल्टन

**जब मैं 19 साल की थी, तब मेरी एक प्राइवेट इंटिमेट विडियो मेरी मर्जी के बिना दुनिया के सामने शेयर की गई थी।**

पैरिस हिल्टन ने अपने साथ हुआ एक डरावना अनुभव शेयर किया है। उन्होंने हाल ही में फोटोज और विडियोज से छेड़छाड़ से जुड़े कानून में बदलाव की बात करते हुए बताया, 'जब मैं 19 साल की थी, तब मेरी एक प्राइवेट विडियो मेरी मर्जी के बिना शेयर की गई। लोगों ने इसे मेरे लिए शर्मनाक बताया। लेकिन यह सिर्फ शर्मनाक नहीं था बल्कि यह मेरा शोषण था। उस समय मेरे बचाव के लिए कानून नहीं थे।'

वह आगे कहती हैं, 'तब लोगों ने मुझे गालियां दीं। वे मुझ पर हंसे और मेरा मजाक बनाया। वे मुझे शोषण की शिकार एक युवा लड़की की तरह नहीं देख रहे थे। वे मेरी उस बेचैनी को नहीं देख रहे थे, जो मैंने उस दौरान महसूस की, ना ही उन्होंने मेरे अपमान या शर्म को समझा। किसी ने मुझसे यह नहीं पूछा कि मैंने क्या खोया।'

# मृणाल ठाकुर, धनुष की शादी का फेक विडियो हुआ वायरल

धनुष और मृणाल ठाकुर के रिलेशनशिप की चर्चा पिछले कई महीनों से चल रही है। ऐसा भी कहा जा रहा था कि यह जल्द शादी करने वाले हैं। हाल ही में इसका एक डीपफेक विडियो भी सामने आया। मृणाल और धनुष के इस विडियो में दोनों शादी के मंडप में बैठे नजर आ रहे हैं। विडियो में श्रुति हासन, त्रिषा कृष्णन, अनिरुद्ध रविचंदर, अजीत कुमार, दुलकर सलमान और दलपति विजय भी मेहमान के तौर पर उनके पीछे दिख रहे हैं।

विडियो के साथ दावा किया गया कि दोनों ने 22 जनवरी को चेन्नै में गुपचुप शादी कर ली। ऐसे में सोशल मीडिया पर तमाम लोग उन्हें बधाई भी देने लगे। लेकिन असल में मृणाल और धनुष डीपफेक का शिकार हुए हैं और उनकी शादी का विडियो AI से बनाया गया है। यानी कि दोनों की शादी की खबर महज अफवाह है।

शादी का ये ही फेक फोटो और विडियो हो रहा है वायरल

# स्वर्ग लगा रोड ऑफ हेवन का सफर

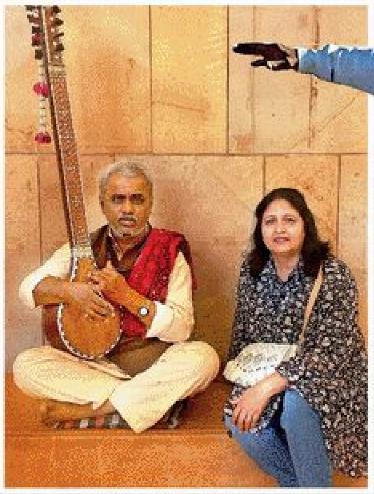

बहुत समय से श्री अंबाजी के दर्शन और कच्छ जाने की तमन्ना थी, जो माता जी के आशीर्वाद से जाने का कार्यक्रम बन गया। हम सहेली संग शाम की फ्लाइट से अहमदाबाद पहुंचे। रात में होटल में रुकने के बाद सुबह की ट्रेन से आबू रोड रेलवे स्टेशन गए। वहां से 15-20 किलोमीटर दूर ऑटो से श्री अंबाजी के मंदिर पहुंचे। वहां श्री अंबाजी की कोई मूर्ति नहीं है। वो श्री यंत्र के रूप में है। उन्हीं के दर्शन सभी लोग करते हैं। वहां से तीन किलोमीटर दूर गब्बर हिल है, जहां श्री सती माता का हृदय गिरा था, इस कारण से ये एक शक्तिपीठ है। इस शक्तिपीठ तक जाने के लिए 999 सीढ़ियां पड़ती हैं। इसके अलावा, रोपवे से भी जा सकते हैं।

## मोहनजोदड़ो की सभ्यता और उनके रहन-सहन के अवशेष देखे

वहां से हम लोग भुज पहुंचे। स्टेशन के बाहर ड्राइवर गाड़ी के साथ प्रतीक्षा कर रहा था। फिर हम धोलावीरा की यात्रा पर निकले, जो 130 किलोमीटर दूर था। तीन घंटे की यात्रा के बाद हम धोलावीरा के राम रण रिजॉर्ट पहुंचे। वहां हम भुंगा (कॉटेज) में रुके, जिसमें सारी सुविधाएं थीं। वहां से हम यूनेस्को World Heritage म्यूजियम गए, जिसमें सिंधु घाटी, हड़प्पा-मोहनजोदड़ो की सभ्यता और उनके रहन सहन के अवशेष देखे। वहां फॉसिल पार्क देखा, जिसमें जुरासिक काल के समय की लकड़ी थी, जो अब पत्थर बन गई है। रास्ते में सनसेट देखते हुए हम वापस रिसॉर्ट आ गए।

## 30 किमी लंबी रोड और दोनों ओर समुद्र का पानी

दूसरे दिन हम रण ऑफ कच्छ के लिए निकले। रास्ते में रोड ऑफ हेवन देखा। यह करीब 30 किमी लंबी रोड है, जिसके दोनों ओर समुद्र का पानी होता है। यह नजारा देखकर ऐसा लगता है जैसे रास्ता सीधे आकाश में जाकर मिल रहा हो। फिर हम गए काले डूंगरो गए, जहां से पाकिस्तान बॉर्डर को दूरबीन से देखा जा सकता है। हमको रास्ते में एक ऐसी जगह मिली, जिसको मैग्नेटिक फील्ड कहते हैं, जिसके प्रभाव से ढाल पर खड़ी गाड़ी इंजन बंद होने के बाद में चढ़ाई चढ़ने लगती है।

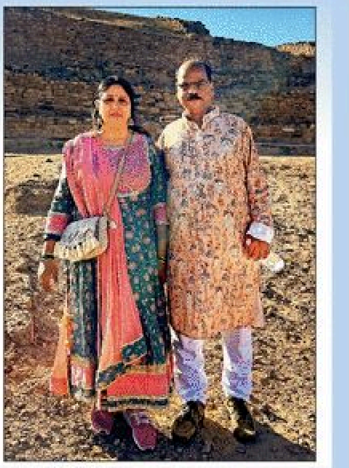

## चारों ओर नमक का रेगिस्तान

इसके बाद हम टेंट सिटी रिजॉर्ट गए। वहां पर टेंट से बना रूम पहले से बुक था। वहां आराम करने के बाद हम रण ऑफ कच्छ में कच्छ उत्सव देखने गए। जहां चारों ओर सफेद रेत जैसा नमक फैला हुआ था जैसे कि हम लोग नमक के रेगिस्तान में आ गए हो। वहां जगह जगह सेल्फी प्वाइंट बने हुए थे जहां पर हम लोगों ने खूब फोटो क्लिक किए। वहां का सनसेट का नजारा सबसे अद्भुत लगा। रात के समय चंद्रमा की रोशनी में पूरा रण सफेद चमक रहा था। वहां पर हाथ से निर्मित वस्तुएं बिक रही थी। टेंट सिटी में डिनर के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया और फिर सुबह नाश्ता करने के बाद भुज के लिए चल दिए।

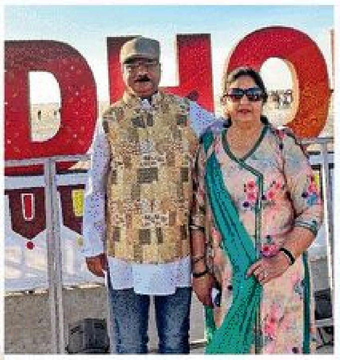


## स्मृति वन में देखा भूकंप का विनाश

भुज में स्मृति वन गए। वहां पर 2001 में आए विनाशकारी भूकंप का नजारा देखने को मिला। उसको देखकर मन दुखी हो गया। वहां पर भूकंप से क्या-क्या विनाश हुआ और उसके बाद भुज ने कैसे खुद को बनाया, उसका इतिहास देखा। रास्ते में प्राग महल और आईना महल भी देखा, जिसमें उस समय के राजा-महाराजाओं के समय की चीजें रखी हैं। फिर वहां से हम अहमदाबाद पहुंचे। सुबह हेरिटेज स्पेशल ट्रेन से केवड़िया (एकता नगर) गए। ट्रेन में पुराने समय की डिजाइन (स्टीम इंजन) का डीजल इंजन लगा है तो अंदर एक रेस्टोरेंट्स भी है। कोच ऐसे है जैसे हम किसी थिएटर में बैठे हो। चार घंटे की यात्रा के बाद हम केवड़िया पहुंचे, वहां पर हमने विश्व की सबसे ऊंची सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति देखी। साथ ही वहां जू, डैम, फ्लावर गार्डन देखकर मन आनंदित हो गया। शाम को फ्लाइट से हम वापस लखनऊ आ गए।

*गोविंद गुप्ता ,चिनहट*

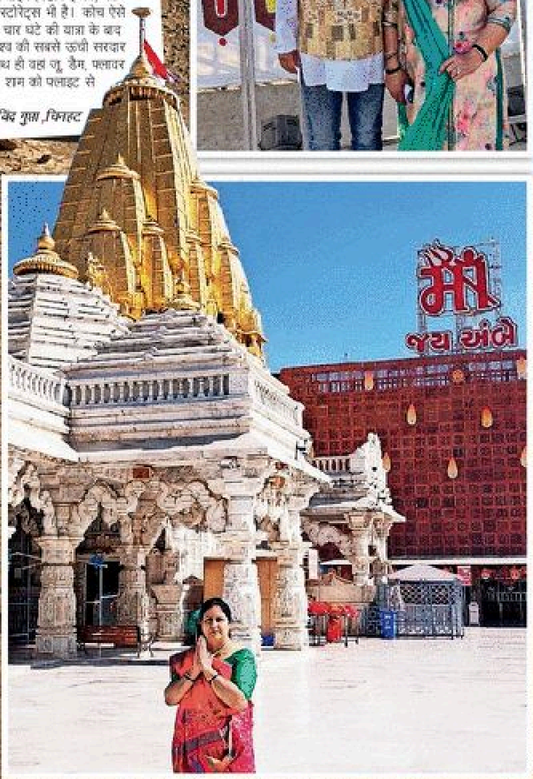


अपनी यात्रा की फोटोज और किस्सा lucknowtimesdpt@gmail.com पर भेजिए। सब्जेक्ट में लिखें ghuma diya na अपना नंबर और पता लिखना न भूलें।


GALLERIA | TIMES interact

WINTER COLLECTION
20%+ OFF
Great designs in hunter and patch pocket sadris and coats
Pure Cotton Shirtings, Suitings and Linen
Tuxedo & Farewell Suits
Gents Overcoats
Men's Readymades
Largest Variety of Sadri in City
Ladies Coats/Formals
Big Sizes Available
MEN'S TAILORING
PANACHE
SCAN FOR LOCATION
Raymond | 100 % Branded | 100% Satisfaction
A-1515,(OPP MEENA MARKET), LEKHRAJ METRO STATION ROAD,INDIRA NAGAR, LKO
0522-4060627, 8081109927
ONE STOP SHOP

GET NOTICED | TIMES interact

Mirza Presents
B&W
BOUTIQUE & WEDDING
LIFESTYLE - FASHION - JEWELLERY - EXHIBITION

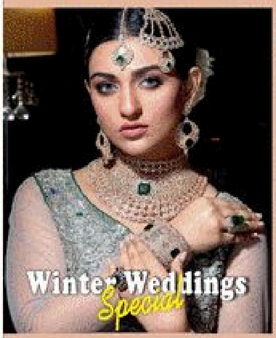


GET READY
31st JANUARY & 01st FEBRUARY 2026
11AM - 08PM
HOTEL CLARKS AVADH
M.G. MARG, HAZRATGANJ, LUCKNOW
ENTRY FREE
COUTURE | WINTER WEAR | REAL & ARTIFICIAL JEWELLERY | FURNISHING DECOR | BAGS & FOOTWEAR | GIFT ITEMS | ACCESSORIES & MORE...
09839215277, 07905619030
/boutiqueandweddingexpo /boutiqueandweddingexpo

HEALTH & WELLNESS | TIMES interact

AG STONE HOSPITAL
UROLOGY/LAPAROSCOPY & LASER CENTRE

Dr. Saurabh Agrawal
MCh. Urology, SGPGI

Ensuring HEALTHY LIVES
Facilities
• Kidney & Urine Diseases
• Laser Prostate Surgery
• Laser Stone Surgery
• Endoscopic Surgery
• Laparoscopic Surgery
• Uro Cancer Surgery
• Urethra Stricture
• Infertility & Sexual Diseases

Specialities
• Urology
• Gastromedicine
• Surgery
• Gynaecology
• Orthopaedics
• Medicine

OPEN 24/7 SERVICE
• EMERGENCY • ICU
• PHARMACY
• DIALYSIS I AMBULANCE
• RADIOLOGY
• OPERATIONS
Cashless/Insurance सेवाएं उपलब्ध

Add : B-5/59, Vinay Khand, Near Husariya Chauraha, Gomti Nagar, Lucknow
Clinic : Subhash Complex, Chowk, Lucknow
99 191 94111 | 97 945 40005

hotelbandhan.in

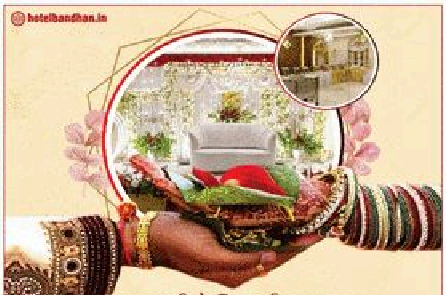

सगाई से विदाई तक
अटूट रिश्तों का बंधन
Limited Dates Available
Hotel Bandhan
FULLY AIR CONDITIONED
BANQUET • CONFERENCE • ROOMS
For reservations: +91-9839900562
B-11, Near Bhootnath Market Metro Station, Faizabad Road, Indira Nagar, Lucknow-16

TIMES interact
TO GROW YOUR BUSINESS
PLEASE CALL US
LUCKNOW: Kuldeep Tiwari – 9044122662
Anurag Nautiyal – 8840945902
KANPUR: Anoop Dixit – 7860802468
ALLAHABAD: Amit Srivastava – 9044075051
VARANASI: Nitesh Arora – 9559983838
GORAKHPUR: Chandrasekhar – 9415019274
WE OFFER ADVERTISING SOLUTIONS IN
Print Radio Digital

TIMES interact | EDUCATION Special

excellia school
Explore. Achieve. Excel.
ADMISSION OPEN
SESSION 2026-2027
Playgroup to Class IX and XI
For Admission Enquiry | Scan QR Code
Admission Fee 50% Off - Only for first 50 Students!

Inside Omaxe City, Bijnaur Road, Lucknow | +91-8543819929

# जारी रहेगा वॉर बेस्ड फिल्मों का सिलसिला

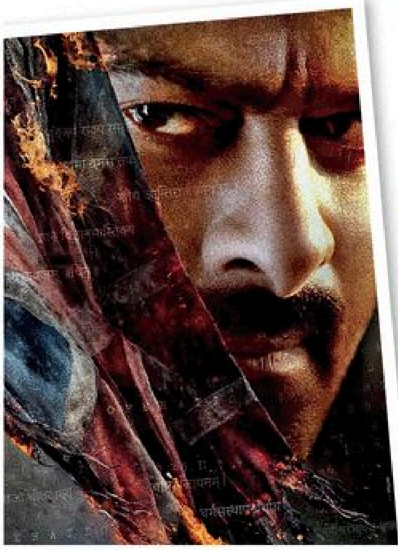

CONTINUED FROM 1

**सिनेमा के पर्दे** पर मौजूदा साल 2026 की शुरुआत 1971 की जंग में परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की बायोपिक से हुई। वहीं रिपब्लिक डे वीकेंड पर साल 1997 में आई फिल्म बॉर्डर की सीक्वल बॉर्डर 2 रिलीज हुई है। बेशक इसे मौजूदा दौर में वॉर फिल्मों का बढ़ता क्रेज ही कहा जाएगा कि करीब तीन दशक बाद बॉर्डर का सीक्वल बना। खास बात यह है कि बॉर्डर में जहां आर्मी और एयरफोर्स के जवान नजर आए थे। वहीं बॉर्डर 2 में आर्मी, नेवी और एयरफोर्स, तीनों सेनाएं दुश्मन को जवाब देती नजर आ रही हैं। वहीं अप्रैल में सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान रिलीज होगी। सत्य घटना पर आधारित इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। इन फिल्मों के अलावा संजय लीला भंसाली भी इस साल अपनी वॉर बेस्ड पीरियड फिल्म लव एंड वॉर रिलीज करने वाले हैं। इसकी स्टारकास्ट में रणबीर कपूर, विकी कौशल और आलिया भट्ट शामिल हैं। पहले इस फिल्म को अगले साल रिलीज किए जाने की चर्चा थी। लेकिन अब यह तय हो गया है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी। उधर प्रभास भी अपनी अगली फिल्म फौजी में स्वाधीनता से पहले के फौजी के किरदार में नजर आएंगे। इतना ही नहीं, इन सभी वॉर फिल्मों के अलावा ओटीटी पर भी 1999 में हुए करगिल युद्ध पर आधारित वेब सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर इसी साल दिखाई जाएगी। बता दें कि भारतीय वायु सेना ने पाक घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए करगिल की लड़ाई के दौरान ऑपरेशन सफेद सागर चलाया था।

# 'युवाओं में बढ़ रही जागरूकता'

CONTINUED FROM 1

प्राइवेट संस्थान में असोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रकाश मिश्रा बताते हैं कि मैं काफी समय से लॉ स्टूडेंट्स को पढ़ा रहा हूं। पहले लोग इतने जागरूक नहीं थे लेकिन आज के समय में लोग अपने अधिकारों को लेकर जागरूक हो रहे हैं। जब स्टूडेंट्स को पढ़ाता हूं, तब एक चीज नोटिस की कि आज का युवा अपने अधिकारों को लेकर बात करना और उन अधिकारों को पाने के लिए लड़ने तक को तैयार है। मेरी क्लास में कई स्टूडेंट्स हैं, जो तर्क के साथ अपनी बात रखते हैं। कई बार तो क्लास रूम ही कोर्ट रूम में बदल जाता है। एक बार मैं स्टूडेंट्स को पढ़ा रहा था, तभी एक स्टूडेंट ने संविधान के अधिकारों को लेकर सवाल किया। इससे पहले मैं जवाब देता दूसरा स्टूडेंट उसके सवाल का जवाब देने लगा। धीरे-धीरे यह बहस दो ग्रुप में बंट गई। यह देखकर मुझे खुशी हुई कि देश का युवा अपने अधिकारों के लिए लड़ने को तैयार है। यही होना भी चाहिए क्योंकि यह देश संविधान से चलता है। अगर देश के युवाओं में संविधान को लेकर अटूट विश्वास बढ़ता जाएगा तो यह देश विश्वगुरु बन जाएगा।

# स्कूल टाइम

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

Nishta.Kochar
@timesofindia.com

## शिक्षा के बदलते स्वरूप से स्टूडेंट्स को मिल रहा लाभ

AI GENERATED IMAGES

आधुनिक शिक्षा एक निर्णायक दौर में प्रवेश कर रही है, जहां तेजी से बदलती दुनिया की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीखने की प्रक्रिया को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है

शिक्षा आज निर्णायक बदलाव के दौर से गुजर रही है। यह अब केवल किताबों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवनभर चलने वाली ऐसी प्रक्रिया बन रही है जो सोचने की क्षमता, रचनात्मकता और चरित्र का विकास करती है। देश जब वैश्विक ज्ञान केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब शिक्षा की भूमिका भी बदल रही है, जानकारी देने से आगे बढ़कर जिम्मेदार, कुशल और बदलते समय के अनुरूप ढलने वाले नागरिक तैयार करने की दिशा में शिक्षा व्यवस्था अहम भूमिका निभा रही है।

### रटने से आगे की शिक्षा

आधुनिक आधुनिक शिक्षा की सबसे बड़ी विशेषता है रटंत विद्या से दूरी बनाना। अब शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्यों को याद कराना नहीं, बल्कि यह सिखाना है कि क्यों और कैसे। छात्रों को सवाल पूछने, तर्क करने और विषयों को गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कक्षा में एकतरफा पढ़ाने के बजाय संवाद, समूह चर्चा, प्रोजेक्ट वर्क और अनुभव आधारित सीख को महत्व दिया जा रहा है।

शिक्षा विशेषज्ञ वैशाली भार्गव के अनुसार, "आज की शिक्षा का उद्देश्य स्टूडेंट्स को स्वतंत्र रूप से सोचने में सक्षम बनाना है, ताकि वे भविष्य की अनजानी चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।" इस दृष्टिकोण से छात्रों में समस्या-समाधान क्षमता, आलोचनात्मक सोच और निर्णय लेने की समझ विकसित हो रही है। वे केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में ज्ञान के उपयोग के लिए सीख रहे हैं।

### टेक्नॉलजी के हस्तक्षेप से बदल रही शिक्षा की दुनिया

तकनीक ने शिक्षा के इस बदलाव को नई गति दी है। स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल बोर्ड, ऑनलाइन कोर्स, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और मिश्रित शिक्षण (ब्लेंडेड लर्निंग) ने पढ़ाई को अधिक रोचक और सुलभ बना दिया है। खासकर अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच बढ़ी है, जो पहले संभव नहीं थी।

ऑनलाइन संसाधनों से स्टूडेंट्स अपनी गति से चीजों को सीख सकते हैं और अपनी रुचि के अनुसार विषयों को गहराई से समझ सकते हैं। शिक्षक भी डिजिटल टूल्स की मदद से छात्रों की प्रगति का विश्लेषण बेहतर ढंग से कर पा रहे हैं। स्कूल लीडर अपूर्व सिंह का मानना है, "तकनीक शिक्षक की जगह लेने के लिए नहीं, बल्कि उनकी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए है।" वर्चुअल लैब, सिमुलेशन और डिजिटल लाइब्रेरी छात्रों की जिज्ञासा को पाठ्यक्रम से आगे बढ़ने का अवसर देती हैं। एआई के आ जाने के बाद से शिक्षा की राह और भी आसान हो चली है। एक स्कूल की स्टूडेंट वैशिनी वर्मा कहती हैं कि आज के दौर में एआई टूल्स काफी सहायक हो रहे हैं। हमें कोई टॉपिक नहीं समझ में आता है तो उसकी मदद से चीजों को हम समझ लेते हैं। सबसे अच्छी बात है कि आप यहां पर कभी भी अपने प्रश्नों को सॉल्व कर सकते हैं, वो भी सिस्टमेटिक तरीके से।

### कौशल विकास पर बढ़ता जोर

तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और उद्योगों की जरूरतों को देखते हुए शिक्षा अब कौशल आधारित होती जा रही है। आज केवल डिग्री पर्याप्त नहीं मानी जाती; संचार कौशल, टीमवर्क की क्षमता, डिजिटल साक्षरता, रचनात्मक सोच और भावनात्मक समझ को समान रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कई शिक्षण संस्थान अब व्यावहारिक शिक्षा, उद्यमिता, स्टार्टअप संस्कृति और बहुविषयक अध्ययन को अपना रहे हैं। इससे छात्र एक ही विषय तक सीमित न रहकर विभिन्न क्षेत्रों की समझ विकसित कर पाते हैं। नीति विशेषज्ञ श्याम त्रिपाठी कहते हैं, "शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ व्यावहारिक कौशल का संतुलन बेहद जरूरी है।" यही संतुलन छात्रों को न केवल रोजगार योग्य बनाता है, बल्कि उन्हें नवाचारी, आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करता है।

### दी जा रही है स्टूडेंट्स के हित को प्राथमिकता

आधुनिक शिक्षा प्रणाली यह भी स्वीकार कर रही है कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के बिना शैक्षणिक सफलता अधूरी है। अत्यधिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बीच बच्चों का मानसिक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। इसी कारण अब खेल, कला, संगीत, योग, ध्यान और मूल्य शिक्षा को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाया जा रहा है। स्कूलों में काउंसलिंग, जीवन कौशल प्रशिक्षण और सकारात्मक माहौल पर ध्यान दिया जा रहा है। माता-पिता और शिक्षक मिलकर बच्चों के लिए सहायक और सुरक्षित वातावरण तैयार कर रहे हैं। मजबूत स्कूल-अभिभावक साझेदारी से बच्चे स्वयं को समझे हुए, आत्मविश्वासी और सीखने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं।

### सही काउंसलिंग है जरूरी

आधुनिक शिक्षा प्रणाली में काउंसलिंग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। आज के प्रतिस्पर्धी और तेज रफ्तार माहौल में छात्र केवल शैक्षणिक दबाव ही नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक चुनौतियों से भी जूझ रहे हैं। ऐसे में काउंसलिंग स्टूडेंट्स को अपनी समस्याओं को समझने, व्यक्त करने और समाधान खोजने में मदद करती है। काउंसलिंग के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है, तनाव और चिंता कम होती है तथा वे बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनते हैं। यह उन्हें अपनी रुचियों, क्षमताओं और करियर विकल्पों को पहचानने में भी सहयोग देती है। शिक्षा के नए दौर में मिल रही सुविधाएं निश्चित तौर पर स्टूडेंट्स के लिए सहायक हैं।

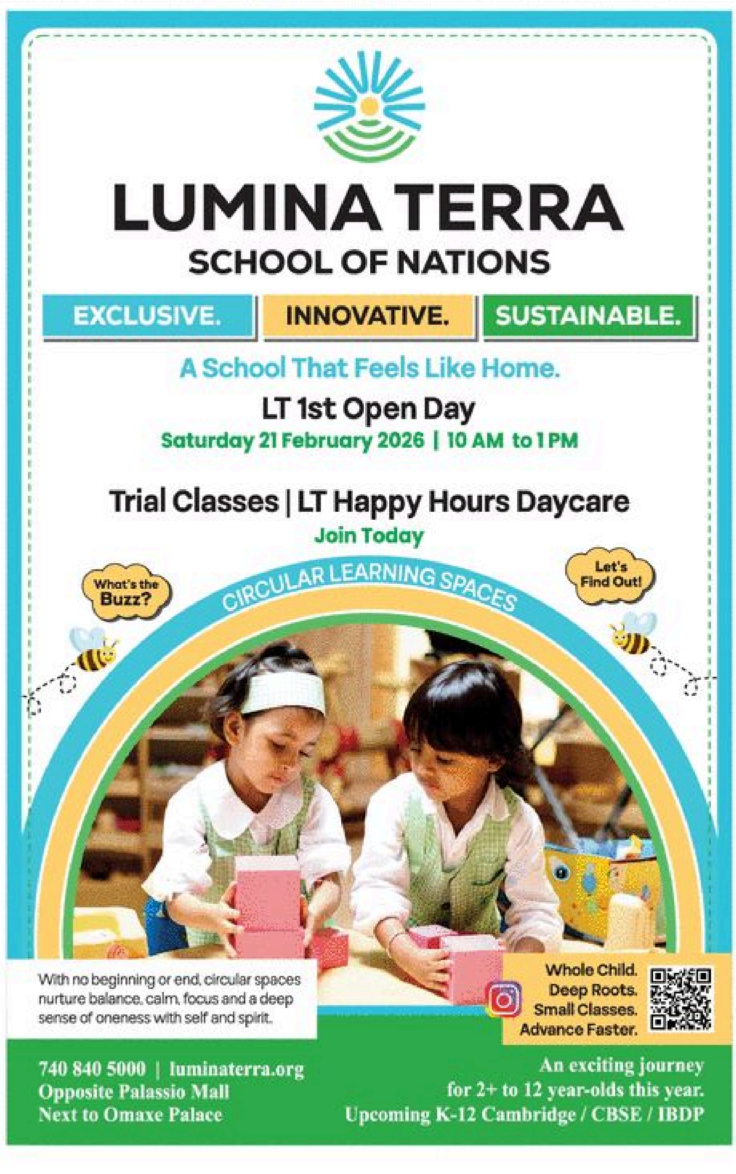

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 25-01-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG4 User: c-amul.rastogi Time: 01-24-2026 18:39 Color:



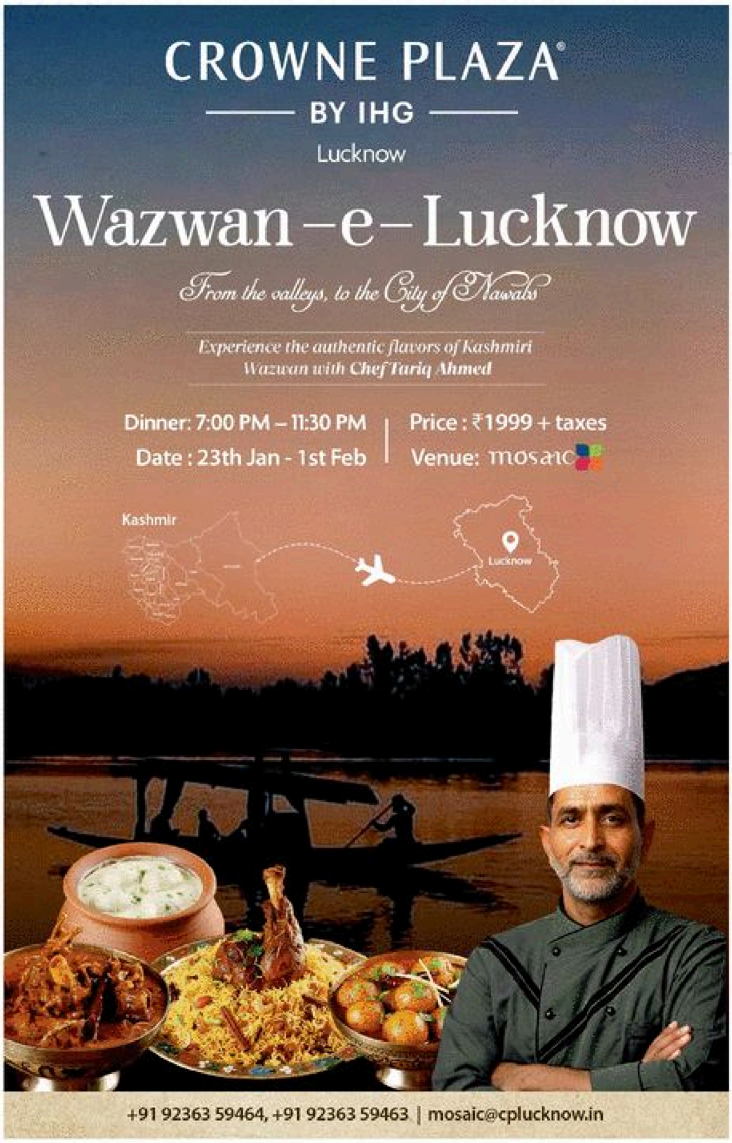


# जय गणतंत्र

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

# देशभक्ति के रंग से सराबोर होंगे आपके घर व ऑफिस

**भारत में घर और ऑफिस तिरंगे के रंगों की सजी हुई सजावट, क्रिएटिव डिस्प्ले और प्रतीकात्मक स्टाइलिंग के माध्यम से देशभक्ति का भाव व्यक्त करते हैं। इससे सामान्य से दिखने वाली जगहें भी राष्ट्रीय गौरव, एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के सम्मान की झलक देने लगती हैं।**

Neha.Arora6
@timesgroup.com

भारत में गणतंत्र दिवस रोजमर्रा की जगहों को एक शांत लेकिन प्रभावशाली तरीके से बदल देता है। घर, दफ्तर और सार्वजनिक संस्थान सभी एक उत्सवी रूप में नजर आने लगते हैं, जहां लोग केवल शब्दों या औपचारिक कार्यक्रमों के जरिए ही नहीं, बल्कि सोच-समझकर की गई रचनात्मक सजावट के माध्यम से भी अपने देश के प्रति प्रेम जाहिर करते हैं। हल्के-फुल्के तिरंगे रंगों से लेकर खास थीम पर तैयार की गई सजावट तक, रिपब्लिक डे डेकोर आज राष्ट्रीय गौरव और सामूहिक एकता को व्यक्त करने का एक सुंदर माध्यम बन गया है।

ऑफिसों में गणतंत्र दिवस की सजावट अक्सर प्रोफेशनलिज्म और देशभक्ति के बीच संतुलन बनाए रखती है। एक प्रतिष्ठित संगठन के एचआर प्रतीक जोशी बताते हैं, "रिसेप्शन एरिया और लॉबी को आमतौर पर केसरिया, सफेद और हरे रंग के गुब्बारों, रिबन और फूलों से सजाया जाता है। नोटिस बोर्ड और कांच की दीवारों पर छोटे झंडे, देशभक्ति से जुड़े कोट्स और संविधान के मूल्यों या राष्ट्रीय उपलब्धियों को दर्शाने वाले पोस्टर लगाए जाते हैं।" कई संस्थान स्वतंत्रता सेनानियों, ऐतिहासिक स्मारकों या प्रेरणादायक संदेशों पर आधारित थीम कॉर्नर भी बनाते हैं, जिससे पूरा कार्यस्थल भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की एक जीवंत झलक पेश करता है।

> **गणतंत्र दिवस की सजावट को खास बनाने वाली बात इसके पीछे छिपा भाव होता है। यह सिर्फ दिखावे तक सीमित नहीं होती, बल्कि इसमें लोगों की सोच, साझा यादें और देश के इतिहास व मूल्यों के प्रति गहरा सम्मान झलकता है।**

कॉन्फ्रेंस रूम और कॉमन एरिया में भी सादगी के साथ आकर्षक सजावट देखने को मिलती है, जैसे तिरंगे रंगों में टेबल सेंटरपीस, एलईडी लाइट्स से बने पैटर्न और डिजिटल स्क्रीन पर देशभक्ति से जुड़े विजुअल्स। कर्मचारी राधिका नाथ कहती हैं, "इस तरह की सजावट न सिर्फ माहौल को उत्सवी बनाती है, बल्कि कर्मचारियों को रोजमर्रा के काम से थोड़ा हटकर सोचने, आत्मचिंतन करने और देश के प्रति अपने दायित्व को महसूस करने का मौका भी देती है। यह सजावट मनोबल बढ़ाने, टीम भावना मजबूत करने और एकता व सम्मान जैसे मूल्यों को फिर से याद दिलाने का काम करती है।"

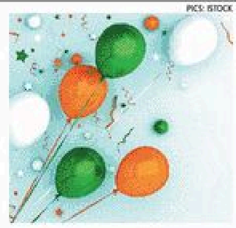

PICS: ISTOCK

घरों में गणतंत्र दिवस की सजावट ज्यादा व्यक्तिगत और भावनात्मक होती है। परिवार छोटे-छोटे तरीकों से शुरुआत करते हैं, जैसे खिड़कियों या दरवाजों के पास झंडा लगाना, तिरंगे रंग की झालरें टांगना या लिविंग रूम में देशभक्ति से जुड़ी सजावट करना। बच्चे इसमें खास उत्साह दिखाते हैं और खुद हाथ से बनाए हुए कागजी झंडे, पोस्टर और रंगोली तैयार करते हैं। ये गतिविधियां उनके लिए सीखने का भी जरिया बनती हैं, जिससे वे इस दिन के महत्व को समझते हुए उसमें सक्रिय भागीदारी करते हैं।

डाइनिंग टेबल और बालकनी भी तिरंगे रंगों में सज जाती हैं, जहां टेबल मैट, कुशन और लाइट्स के जरिए माहौल बनाया जाता है। कुछ घरों में राष्ट्रीय नेताओं की तस्वीरें या ऐतिहासिक पलों की झलकियां फ्रेम करके लगाई जाती हैं, जिससे यादों और सम्मान का एक खास कोना बन जाता है। ये साधारण लेकिन अर्थपूर्ण सजावट घर को एक शांत उत्सव स्थल में बदल देती है, जहां देशभक्ति केवल दिखाई ही नहीं देती, बल्कि गहराई से महसूस भी होती है।

# जय गणतंत्र

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

# खरीदारों की उमड़ी भीड़, शानदार ऑफर्स की भरमार

**रिपब्लिक डे पर रिटेल मार्केट में काफी हलचल बढ़ जाती है। ऐसे में यहां ग्राहकों को शानदार डिस्काउंट, आकर्षक डील्स और स्मार्ट शॉपिंग के बेहतरीन मौके मिलते हैं।**

Neha Arora
@timesgroup.com

भारत में गणतंत्र दिवस सिर्फ राष्ट्रीय गौरव का पर्व नहीं है, बल्कि यह रिटेल सेक्टर के लिए भी साल के सबसे उत्साहपूर्ण दौर में से एक होता है। जैसे ही बालकनियों पर तिरंगा लहराता है और देशभक्ति के गीत गूंजने लगते हैं, वैसे ही बाजार, मॉल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी उत्सव के रंग में रंग जाते हैं और ग्राहकों के लिए ढेरों आकर्षक ऑफर्स लेकर आते हैं।

रिटेलर्स अपनी दुकानों को केसरिया, सफेद और हरे रंग की सजावट से सजा देते हैं, जिससे माहौल पूरी तरह देशभक्ति से भर जाता है। शॉप विंडो में गणतंत्र दिवस थीम पर डिस्प्ले लगाए जाते हैं, जिनमें छोटे-छोटे झंडे, रंगोली और देशभक्ति के नारे लोगों का ध्यान खींचते हैं। शॉपिंग मॉल में तिरंगे रंग की झालरें, खास लाइटिंग और थीम इंस्टॉलेशन लगाए जाते हैं, वहीं कई जगह सेल्स स्टाफ भी राष्ट्रीय रंगों से जुड़े बैज या एक्सेसरीज पहनकर ग्राहकों का स्वागत करता है। यहां तक कि लोकल मार्केट्स भी पीछे नहीं रहते और दुकानों के बाहर झंडे व पोस्टर लगाकर खास ऑफर्स का ऐलान करते हैं।

एक स्टूडेंट आरती सेठ बताती है, "इस पूरे दौर का सबसे बड़ा आकर्षण रिपब्लिक डे सेल बोनांजा होता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज से लेकर फैशन, फुटवियर और रोजमर्रा की जरूरतों तक, हर कैटेगरी में आकर्षक डिस्काउंट, लिमिटेड पीरियड ऑफर्स और बंडल डील्स मिलती है।" ग्राहक खासतौर पर इस समय बड़े सामान खरीदने का इंतजार करते हैं। टीवी, स्मार्टफोन, फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे प्रोडक्ट्स को रिपब्लिक डे सेल के दौरान खरीदना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इस दौरान कीमतें कम होती हैं, एक्सचेंज स्कीम और आसान ईएमआई विकल्प भी मिल जाते हैं। इससे लोगों के लिए अपने घर और लाइफस्टाइल को अपग्रेड करना आसान हो जाता है।

फैशन और लाइफस्टाइल स्टोर्स पर भी इस दौरान खासा रश देखने को मिलता है। एंड ऑफ सीजन सेल और रिपब्लिक डे स्पेशल कलेक्शन के चलते लोग कपड़े, जूलरी और फुटवियर जमकर खरीदते हैं। कई परिवार साथ मिलकर शॉपिंग करते हैं, ताकि आने वाले महीनों के लिए अपनी वॉर्डरोब को रिफ्रेश कर सकें। वहीं सुपरमार्केट और डिपार्टमेंटल स्टोर्स पर ग्रोसरी, मिठाई और स्नैक्स की डिमांड बढ़ जाती है, क्योंकि लोग घरों में छोटे-मोटे कार्यक्रम, स्कूल फंक्शन और सामुदायिक आयोजनों की तैयारी करते हैं।

**रिपब्लिक डे सेल देशभक्ति और समझदारी भरी शॉपिंग का बेहतरीन मेल है। एक ओर देश लोकतांत्रिक मूल्यों का जश्न मनाता है, वहीं दूसरी ओर लोग स्मार्ट खर्च करते हुए शानदार ऑफर्स का फायदा उठाते हैं।**

ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म इस रिटेल उत्साह को और बढ़ा देते हैं। फ्लैश सेल, ऐप एक्सक्लूसिव डील्स और मिडनाइट ऑफर्स के जरिए ग्राहक घर बैठे आराम से खरीदारी कर सकते हैं। पुश नोटिफिकेशन और डिजिटल कैंपेन के जरिए समय-सीमित डिस्काउंट की जानकारी दी जाती है, जिससे लोगों में जल्द खरीदने का उत्साह और रोमांच बना रहता है।

रिटेल ओनर राहुल सिंह कहते हैं, "ग्राहकों के लिए रिपब्लिक डे सेल देशभक्ति और समझदारी भरी शॉपिंग का बेहतरीन मेल है। एक ओर देश अपने लोकतांत्रिक मूल्यों का जश्न मनाता है, वहीं दूसरी ओर लोग स्मार्ट खर्च करते हुए शानदार ऑफर्स का फायदा उठाते हैं। यह दोनों के लिए फायदे का सौदा होता है, रिटेलर्स की बिक्री बढ़ती है और ग्राहक खुश होकर लौटते हैं, क्योंकि उन्हें अच्छी क्वालिटी के प्रोडक्ट्स आकर्षक कीमतों पर मिल जाते हैं।"

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 25-01-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMBP User: cci Time: 01-24-2026 19:34 Color:



## केआरके ने बताई मुंबई में फायरिंग की वजह

कमाल राशिद खान उर्फ केआरके को शनिवार को मुंबई में फायरिंग के आरोप में हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान केआरके ने बताया कि वह अपनी बंदूक साफ कर रहे थे। बंदूक को चेक करने के लिए उन्होंने अपने घर के सामने मौजूद जंगल की ओर गोली चलाई थी।

## मूवी रिव्यू कॉर्नर

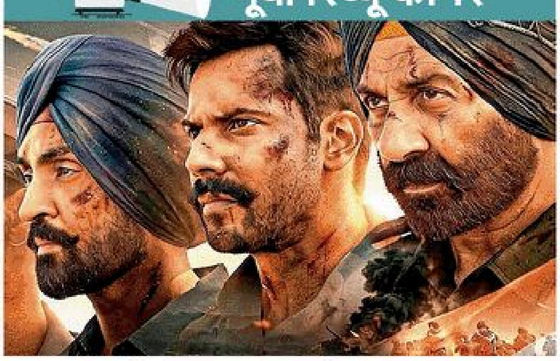

# 'बॉर्डर' की विरासत आगे बढ़ाता सीक्वल

Rekha.Khan@timesofindia.com

'तुम जहां से भी घुसने की कोशिश करोगे, आसमान से, जमीन से, समंदर से, सामने एक हिंदुस्तानी फौजी खड़ा पाओगे' सनी देओल का गरजता-बरसता डायलॉग फिल्म के मिजाज को दर्शाने के लिए काफी है। 30 साल पहले आई जेपी दत्ता की बॉर्डर की कहानी को आगे बढ़ाते हुए फिल्म बताती है कि भारत-पाक की 1971 की जंग सिर्फ लोंगेवाला नहीं बल्कि जल, थल और वायु तीनों मोर्चों पर लड़ी गई थी। निर्देशक अनुराग सिंह की यह फिल्म सिर्फ शूर-वीरता नहीं दर्शाती बल्कि सीमा पर लड़ने वाले सैनिकों और उनके परिवार के मानवीय पहलुओं की पड़ताल करती है।

1971 के इंडो-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि में तीन जिगरी दोस्तों और उनके चीफ के इर्दगिर्द घूमती है, जो 1961 में नेशनल वॉर अकादमी में मिले थे। फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों (दिलजीत दोसांझ) शादी के तुरंत बाद ड्यूटी पर लौटते हैं। मेजर होशियार सिंह दहिया (वरुण धवन) पहली संतान का इंतजार करते हुए भी मोर्चे पर जाते हैं। लेफ्टिनेंट कमांडर महेंद्र एस. रावत (अहान शेट्टी) पत्नी-बेटी को अलविदा कहकर फर्ज निभाते हैं। उनके प्रशिक्षक लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर (सनी देओल) जम्मू के मुनावर तवी में कमान संभालते हैं।

वॉर फिल्मों में बॉर्डर का अहम स्थान है, पर निर्देशक अनुराग सिंह उस विरासत को आगे बढ़ाने में पूरी तरह कामयाब रहे हैं। युद्ध के तेवर के साथ भावनाओं का संसार बखूबी रचा है। फर्स्ट हाफ किरदारों की बैकस्टोरी को स्थापित करते हुए मनोरंजक अंदाज में आगे बढ़ता है। फिल्म का सेकंड हाफ युद्ध के रोमांच को दिखाता है। वैसे, वॉर पोर्शन लंबा है, मगर स्क्रीनप्ले दमदार है। फिल्म में दिखाए गए टैंक, बंदूकें, मशीनगन, बारूद तथा एक्शन कोरियोग्राफी का स्तर भी ऊंचा है। फिल्म के संवाद जोशीले हैं, मगर कई जगहों पर लाउड भी लगते हैं।

फिल्म का भार काफी हद तक सनी देओल के कंधों पर है और सनी उसे बखूबी उठा ले जाते हैं। उनकी दमदार आवाज में देशभक्ति से लबरेज डायलॉग्स के साथ-साथ उनके किरदार का इमोशनल आर्क भी मजबूत है। मेजर की भूमिका में वरुण धवन ने हरियाणवी लहजे के साथ-साथ भावनाओं को भी बांधे रखा है। दिलजीत दोसांझ दमदार हैं। अहान शेट्टी बॉर्डर 1 वाले पिता सुनील शेट्टी को प्यारा-सा ट्रिब्यूट देते हैं। महिला किरदारों में मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह ने अपनी भूमिका संग न्याय किया है। परमवीर चीमा याद रह जाते हैं।

**फिल्म: बॉर्डर 2**
रेटिंग ★★★☆☆
**निर्देशक:** अनुराग सिंह
**कलाकार:** सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, सोनम बाजवा, मोना सिंह, परमवीर चीमा आदि।
**अवधि:** 3 घंटे 19 मिनट
**जॉनर:** वॉर ड्रामा

**क्यों देखें**
देशभक्ति फिल्मों के शौकीनों को फिल्म पसंद आएगी।

# रास्ता भटक गया ये 'चंद्रयान'

Upma.Singh@timesofindia.com

23 अगस्त 2023 का वो ऐतिहासिक दिन, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के वैज्ञानिकों ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपना विक्रम लैंडर उतारकर इतिहास रच दिया तब हर भारतवासी की आंखें खुशी से चमक रही थीं। लेकिन इस सफलता से पहले इसरो के वैज्ञानिकों को जुलाई 2019 में चंद्रयान-2 की विफलता भी देखनी पड़ी थी। चंद्रयान 2 की असफलता से चंद्रयान 3 की सफलता के इसी सफर को दिखाती है, नई वेब सीरीज स्पेस जेन: चंद्रयान।

सीरीज की कहानी 2019 में चंद्रयान 2 की लैंडिंग से शुरू होती है, जब ऐन मौके पर विक्रम लैंडर रास्ते से भटक गया और क्रैश हो गया। प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर राकेश मेहतो (गोपाल दत्त) मिशन के फेल होने के लिए एक जांच कमिटी गठित करते हैं, जिसे लीड करते हैं, इसरो के नए चीफ सुदर्शन रमैया (प्रकाश बेलावाड़ी)। प्रोजेक्ट डायरेक्टर यामिनी मुदलियार (श्रिया सरन), विक्रम लैंडर बनाने वाले वैज्ञानिक अर्जुन वर्मा (नकुल मेहता), प्रज्ञान रोवर डिजाइन करने वाले जयराम (दानिश सैत) सबसे पूछताछ होती है, मगर मिशन फेल होने का ठीकरा फूटता है अर्जुन पर। जबकि कारगिल में अपने पिता को खोने वाला अर्जुन जितना होनहार है, उतना ही जुनूनी। ऐसे में, यह टीम इस हार के बाद कैसी-कैसी चुनौतियों का सामना करके चंद्रयान 3 को सफल बनाती है, यह सीरीज देखकर पता चलेगा।

अरुनाभ कुमार की क्रिएट और अनंत कुमार निर्देशित यह सीरीज की कहानी निश्चित तौर पर प्रेरक है, जो हमारी जिंदगी को बेहतर बनाने में इसरो की भूमिका, इन वैज्ञानिकों की चुनौतियों और उपलब्धियों को जोर शोर से दिखाती है। मगर इसमें इस विषय के लिए जरूरी मेहनत और गहराई नहीं दिखती। स्क्रीनप्ले बेवजह ड्रामेटिक है। किरदारों के ग्राफ में ज्यादा लेयर नहीं है। एक्टिंग की बात करें तो इसरो चीफ के रूप में सबसे ज्यादा प्रभावित प्रकाश बेलावाड़ी करते हैं। उनके किरदार की जर्नी भी प्रेरक है। बाकी एक्टर्स का काम साधारण है। श्रिया सरन ठीकठाक हैं तो नकुल मेहता अपनी भूमिका संग न्याय करने की कोशिश करते हैं। गोपाल दत्त और दानिश सैत भी कुछ खास प्रभावित नहीं करते। वहीं, खराब वीएफएक्स कोढ़ में खाज है।

वेब सीरीज
**स्पेस जेन: चंद्रयान (13+)**
रेटिंग ★★☆☆☆
**निर्देशक:** अनंत सिंह
**कलाकार:** श्रिया सरन, नकुल मेहता, गोपाल दत्त, प्रकाश बेलावाड़ी, दानिश।
**स्ट्रीमिंग साइट:** जियो हॉटस्टार
**एपिसोड:** 5 एपिसोड (30 मिनट)
**जॉनर:** साइंस फिक्शन

**क्यों देखें**
भारत के चंद्रयान मिशन के बारे में जानने के लिए।

# अब वर्दी की मोहताज नहीं पर्दे पर देशभक्ति

### इस साल के नॉन वॉर ड्रामा प्रोजेक्ट्स

- धुरंधर 2
- अल्फा
- कैप्टन इंडिया
- लाहौर 1947
- चकदा एक्सप्रेस
- फ्रीडम एट मिडनाइट 2
- स्पेस जेन: चंद्रयान
- द रिवॉल्यूशनरीज

**देशभक्ति फिल्में बनाने के लिए अब फौज की कहानियां दिखाना या वॉर ड्रामा बनाना जरूरी नहीं रहा। पिछले कुछ सालों में ऐसी तमाम फिल्में आई हैं, जिनमें बिना वर्दी वाले हीरोज ने दर्शकों में देशभक्ति का जज्बा जगाया है:**

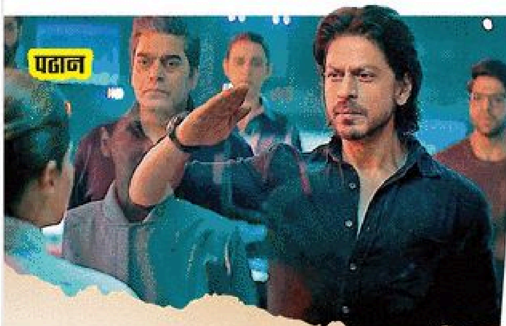

शुभम त्रिपाठी

देशभक्ति फिल्मों की बात होती है, तो आमतौर पर बॉर्डर, LOC कारगिल, गाजी अटैक, फाइटर और स्काई फोर्स जैसी वॉर फिल्मों का नाम लिया जाता है। लेकिन पिछले सालों में ऐसी तमाम फिल्में आई हैं, जिनमें बिना वर्दी वाले नायकों ने दर्शकों तक देशभक्ति का संदेश पहुंचाया। पिछले करीब डेढ़ महीनों से बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही धुरंधर इसका हालिया उदाहरण है। वहीं शाहरुख खान की पठान और सलमान खान की टाइगर 3 भी इसी कैटेगरी की फिल्में हैं। बीते कुछ सालों में ऐसी तमाम फिल्में आई हैं, जिनमें न एक्शन है, ना जासूसी मगर उनका जॉनर देशभक्ति है। इनमें मिशन मंगल, गोल्ड और मैदान जैसी फिल्में शामिल हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि पहले ऐसी फिल्में नहीं बनती थीं। पहले हकीकत, रंग दे बसंती, स्वदेस और चक दे इंडिया जैसी फिल्में बनी हैं। मगर तब ये साल-दो साल में एकाध ही बनती थीं। मगर अब इन फिल्मों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

## बड़ा पर्दा हो या ओटीटी, जासूसी सुपरहिट

जासूसों की कहानियों ने पिछले कुछ सालों में खूब जोर पकड़ा है। पिछले साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल धुरंधर इसी जॉनर की फिल्म है। इससे पहले शाहरुख खान भी पठान में बिना वर्दी के देश के लिए लड़ते नजर आए थे। वहीं सलमान खान ने एक था टाइगर से बाकायदा स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत की। इसी लिस्ट में आलिया भट्ट की राजी, अक्षय कुमार की बेबी जैसी तमाम फिल्में शामिल हैं। उधर ओटीटी पर भी यह जॉनर खूब हिट हो रहा है, फिर चाहे फैमिली मैन सीरीज हो या स्पेशल ऑप्स। इस साल भी इस जॉनर की कई फिल्में आने वाली हैं, जिनमें धुरंधर 2 का बेसब्री से इंतजार है। वहीं आलिया व शरवरी भी अल्फा से स्पाई यूनिवर्स में एंट्री करने जा रही हैं। इसके बाद शाहरुख और सलमान भी टाइगर वर्सेज पठान में दिखेंगे। वहीं मनोज बाजपेयी की फैमिली मैन 4 भी पाइपलाइन में है।

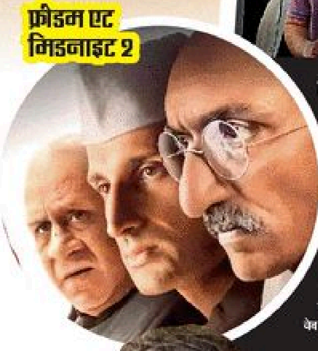


## ना वॉर, ना जासूसी, पर देशभक्ति पूरी

इन दिनों ऐसी तमाम फिल्में बन रही हैं, जिनमें न वॉर है और न जासूसी मगर जॉनर देशभक्ति है। इनमें सनी देओल की फिल्म लाहौर 1947 शामिल है। वहीं अनुष्का शर्मा की फिल्म चकदा एक्सप्रेस भी बनकर तैयार है और मेकर्स उसे ओटीटी पर रिलीज की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर कार्तिक आर्यन भी आने वाले दिनों में चक दे इंडिया फेम शिमित अमीन के साथ अपनी फिल्म कैप्टन इंडिया की शूटिंग शुरू करेंगे। वहीं ओटीटी भी इस मामले की अनसुनी कहानी दिखाएंगे। साल के शुरू में ही फ्रीडम एट मिडनाइट 2 रिलीज हुई है। वहीं वेब सीरीज स्पेस जेन: चंद्रयान भारत के उन वैज्ञानिकों के संघर्ष की कहानी है, जिन्होंने चंद्रयान 3 के मिशन में अहम भूमिका निभाई थी। वेब शो द रिवॉल्यूशनरीज वेब शो भी आने वाला है।

## 12 राशियां और आपका दिन

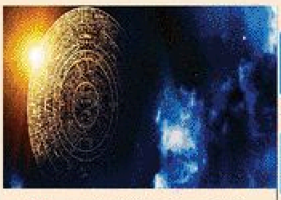

**ARIES** 21 Mar - 19 Apr
कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं, पर आप अपने अच्छे व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात में जीवन साथी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए उनका ख्याल रखें। आज का दिन परिवार में व्यतीत होगा।

**TAURUS** 20 Apr - 19 May
आज का दिन परिजनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक कोई शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। शाम के समय ऐसे अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है, जिसका आपको लंबे समय से इंतजार था। रात में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित हो सकते हैं।

**GEMINI** 21 May - 21 Jun
पिता के आशीर्वाद और उच्च अधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, खर्च पक्ष से बचें। शाम से लेकर रात तक तेज चलने वाले वाहनों के प्रयोग से बचें। प्रिय एवं महान पुरुषों के दर्शन से आपका मनोबल बढ़ेगा।

**CANCER** 22 Jun - 22 Jul
राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का मिथुन में होकर परिभ्रमण आकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा सकता है। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। जीवन और भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है। दिन आपका उत्तम रहने वाला है।

**LEO** 23 Jul - 22 Aug
राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे, रुका हुआ काम भी संपन्न होगा। पाचन और आंखों से संबंधी परेशानी हो सकती है। शाम से लेकर रात तक का समय प्रियजनों के दर्शन और हास्य परिहास में व्यतीत होगा। खानपान का विशेष ध्यान और नियंत्रण रखें।

**VIRGO** 23 Aug - 22 Sep
आज आपके कार्यक्षेत्र में तत्परता से लाभ होगा। स्वजनों से सुख, पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। धन की समस्या सुलझ जाएगी। राजकीय मदद भी मिलेगी। सुकीर्ति के संबंध अचानक लाभ होने के योग हैं।

**LIBRA** 23 Sep - 22 Oct
आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आप के नए खोज करने और बोलने की कला आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवन साथी का सहयोग पर्याप्त रूप से मिलेगा। यात्रा की स्थिति सुखद और लाभप्रद रहेगी।

**SCORPIO** 23 Oct - 21 Nov
आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ काम सिद्ध होगा और प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। शाम के समय प्रियजनों से मुलाकात एवं रात में सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

**SAGITTARIUS** 22 Nov - 21 Dec
आज घर के लिए जरूरी वस्तुओं पर धन खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी संबंधी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में छोटी कठिनाई के सामना करने पड़ सकते हैं।

**CAPRICORN** 22 Dec - 19 Jan
आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। शाम के सम्मानित स्थानों की यात्रा का प्रसंग प्राप्त होकर स्थगित होगा।

**AQUARIUS** 20 Jan - 18 Feb
राशि स्वामी शनि की मध्यम स्थिति के कारण पत्नी को आकस्मिक शरीर कष्ट होने से भागदौड़ और अधिक खर्च की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। शाम की पत्नी को आराम मिल जाएगा।

**PISCES** 19 Feb - 20 Mar
वैवाहिक जीवन सुख के साथ बीतेगा। किसी जरूरी वजह से आज चाह कर न दूर की यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में बढ़ती प्रोफिट से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। शाम के समय पुराने मित्रों के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद उपयोगी सिद्ध होगी।

### जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष का जीवन में रजत पाद से प्रवेश हो रहा है। वर्ष का स्वामी शुक्र मंगल वह बने हैं। जीवन साहित्यिक-रोमांसी प्रधान वह कोठरी शुभ उत्तम स्थिति उनकी रोग में आकस्मात राज्य कृपा कारक है। इससे अप्रत्याशित लाभ मिलने की सम्भावना बनी हुई है। फरवरी में काफी समय से टल रही योजनाएं पूरी होंगी। इष्ट मित्रों से सहयोग का समाचार मिलेगा। मार्च में खोज, रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी, राज समाज में सम्मान बढ़ेगा, प्रतियोगिता में विजय होगी। अप्रैल और मई के महीने में न चाहते हुए भी कहीं जाना पड़ेगा। अपनी वाणी शैली सावधानी रखें। जून जुलाई में सभी लोग आपके कार्य कौशल की प्रशंसा करेंगे। अगस्त सितंबर में आपके रहन-सहन का स्तर बढ़ेगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। अक्टूबर से नवंबर के बीच में रोग ऋण से मुक्ति मिलेगी। दिसंबर से जनवरी 2027 में आर्थिक पक्ष सुदृढ़ बनेगा। धार्मिक स्थानों पर पर्यटन का भी योग है। अधिक सफलता के लिए स्नान के बाद सूर्य नारायण को अर्घ्य प्रदान करें। हनुमान चालीसा का पाठ भी कल्याणकारी सिद्ध होगा।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

### कल का पंचांग
(सोमवार, 26 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति माघ 6, शक संवत 1947, माघ शुक्ल, अष्टमी, सोमवार, विक्रम संवत 2082। सौर माघ मास प्रविष्टे 13, शाबान 6, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 26 जनवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल सुबह 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक। अष्टमी तिथि रात 9 बजकर 19 मिनट तक के बाद नवमी तिथि का आरंभ। अश्विनी नक्षत्र मध्याह्न 12 बजकर 33 मिनट तक के बाद भरणी नक्षत्र का आरंभ। विष्टि करण पूर्वाह्न 10 बजकर 15 मिनट तक उपरांत बालव करण का आरंभ। चन्द्रमा दिन रात मेष राशि पर संचार करेगा।

**आज के व्रत और त्योहार**
रथ सप्तमी व्रत, पुत्र-आरोग्य व्रत, भानु सप्तमी।

### सुडोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 9 | 3 | 6 | 7 | 1 | | |
| 4 | | | | | | | | 9 |
| | | 7 | 5 | | 4 | 3 | | |
| | 3 | | 7 | 4 | 9 | | 2 | |
| | | | | | | | | |
| | 6 | | 2 | 8 | 3 | | 4 | |
| | | 8 | 4 | | 5 | 9 | | |
| 5 | | | | | | | | 8 |
| | | 4 | 6 | 1 | 8 | 2 | | |

### TELEVISION

big magic

| | |
|---|---|
| 09:00 | बबलू डबलू |
| 10:00 | बद्रीप्र बुखबक |
| 11:00 | रुद्र के रक्षक |
| 12:00 | चक्रधारी अजेय कृष्णा |
| 12:30 | हम पांच |
| 13:00 | रुद्र के रक्षक |
| 13:30 | भ से भाई |
| 14:00 | चक्रधारी अजेय कृष्णा |
| 15:00 | लिटिल कृष्णा |
| 17:00 | बबलू डबलू |
| 18:00 | चक्रधारी अजेय कृष्णा |

**NOTE : -**

**[ : राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi, ]**

**English NEWSPAPERS**
**[ Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi ] ETC.**

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

**whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.**

**Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot**
**Or type in Search box of Telegram**
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
**BACKUP GROUP LINK**
**https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1**

# Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in